*मुगल कालीन विद्वान **अबुल फजल ने अमेरिका की खोज का उल्लेख** किया है।

***रॉल्फ फिंच** (1583-86ई.) **फतेहपुर सीकरी** और **आगरा** पहुंचने वाला **पहला अंग्रेज व्यापारी** था।

*अकबर ने फतेहपुर सीकरी में **1575 ई. में इबादतखाने की स्थापना** की, जिसका उद्देश्य दार्शनिक एवं धार्मिक विषयों पर वाद-विवाद करना था। ***1578 ई.** में इसने सभी धर्मावलंबियों के लिए **इबादतखाना** का द्वार खोल दिया। *अकबर ने समस्त धार्मिक मामलों को अपने हाथों में लेने के लिए **1579 ई.** में **'महजरनामा'** की घोषणा की। *यह **महजरनामा अबुल फजल के पिता शेख मुबारक ने तैयार** किया था। *महजर को **स्मिथ** और **वूल्जले हेग** ने **अचूक आज्ञा-पत्र** कहा है। *महजर जारी करने के बाद अकबर ने **'सुल्तान-ए-आदिल'** या **'इमाम-ए-आदिल** की उपाधि धारण की।

*अकबर स्वयं बसंत, होली, दीवाली जैसे त्योहारों/उत्सवों में भाग लेता था। *उसने तुलादान, झरोखा दर्शन आदि हिंदू त्योहारों को भी स्वीकार कर लिया था। *लेनपूल के अनुसार, हिंदू राजाओं को एकजुट कर लेना अकबर के समय की सबसे स्पष्ट विशेषता थी। *डॉ. आर.पी. त्रिपाठी के अनुसार, अकबर अपने युग की संतान और पिता दोनों था।

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से किस स्थान पर अकबर को हुमायूं की मृत्यु की सूचना मिलने पर राजगद्दी पर बैठाया गया था?

(a) काबुल (b) लाहौर
(c) सरहिंद (d) कालानौर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

हुमायूं की मृत्यु के अवसर पर अकबर पंजाब में सिकंदर सूर के विरुद्ध युद्ध में व्यस्त था। उस अवसर पर बैरम खां उसके संरक्षक के रूप में कार्य कर रहा था। हुमायूं की मृत्यु की सूचना मिलने पर पंजाब में गुरुदासपुर जिले के निकट कलानौर नामक स्थान पर 14 फरवरी, 1556 को अकबर को मुगल बादशाह घोषित किया गया। उस समय अकबर की आयु 14 वर्ष से कम थी।

2. हल्दी घाटी के युद्ध के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य था–

(a) राणा प्रताप को अपने अधीन लाना
(b) राजपूतों में फूट डालना
(c) मानसिंह की भावना को संतुष्ट करना
(d) साम्राज्यवादी नीति

R.A.S. / R.T.S. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

हल्दी घाटी युद्ध के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य राणा प्रताप को अपने अधीन लाना था। अकबर ने अप्रैल, 1576 में मानसिंह के नेतृत्व में 5 हजार सैनिकों को राणा प्रताप के विरुद्ध भेजा। मानसिंह मंडलगढ़ के मार्ग से होता हुआ गोगुंडा गढ़ से चौदह मील दूर हल्दी घाटी दर्रे के निकट पहुंचा, राणा प्रताप भी मुगल सेना का सामना करने के लिए पहाड़ियों से उतर आए। फलतः जो युद्ध हुआ, वह हल्दी घाटी युद्ध के नाम से प्रसिद्ध है, जिसमें राणा पराजित हुए और उन्हें अरावली की पहाड़ियों में शरण लेनी पड़ी।

3. हल्दी घाटी का युद्ध किस वर्ष में हुआ था?

(a) 1756 ई. (b) 1576 ई.
(c) 1756 ई. पू. (d) 1576 ई. पू.

Uttarkhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति कौन थे?

(a) अमर सिंह (b) मान सिंह
(c) हकीम खान (d) शक्ति सिंह

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

हल्दी घाटी का युद्ध 1576 ई. में महाराणा प्रताप और मुगल सेनापति मानसिंह एवं आसफ खां के मध्य लड़ा गया। राजपूत योद्धाओं के अलावा राणा की सेना के अग्रभाग का नेतृत्व अफगानों की एक टुकड़ी के साथ हकीम खान सूर कर रहा था। राणा की सेना में भीलों की भी एक छोटी-सी टुकड़ी शामिल थी। यह राणा की मुगलों के साथ आमने-सामने की आखिरी मुठभेड़ थी। आगे उसने छापामार युद्ध का सहारा लिया।

5. हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के अलावा राजपूत सेना का सेनापति कौन था?

(a) इब्राहीम गार्दी (b) हकीम सूर
(c) टार्डी बेग (d) महमूद लोदी

U.P.R.O./A.R.O. Re. Exam (Pre) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. 'हल्दी घाटी के युद्ध' में महाराणा प्रताप की राजपूत सेना का सेनापति कौन था?

(a) इब्राहिम खान गार्दी (b) हकीम खान सूर
(c) तर्दी बेग (d) मोहम्मद लोदी

U.P.R.O. / A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. दिए गए मानचित्र में, छायांकित भाग एक कालावधि विशेष में अकबर के साम्राज्य को दर्शाता है, 'A' स्वतंत्र देश का परिचायक है और 'B' एक नगर की स्थिति दिखाता है, निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प पूरी सही जानकारी देता है?

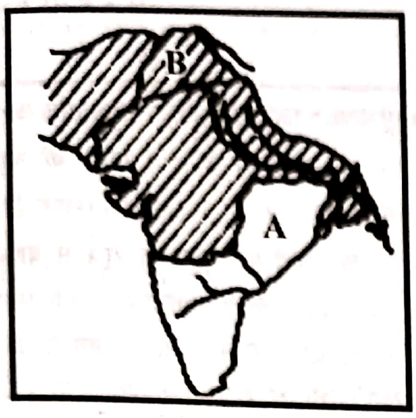

(a) 1557 में अकबर	A गोलकुंडा,	B लाहौर
(b)1557 में अकबर	A खानदेश,	B मुल्तान
(c) 1605 में अकबर	A गोंडवाना,	B मुल्तान
(d) 1605 में अकबर	A गोंडवाना,	B लाहौर

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

उपर्युक्त मानचित्र 1605 ई. में अकबर के साम्राज्य को दर्शाता है एवं इसमें 'A' संकेत से 'गोंडवाना' राज्य चिह्नित है, जो कि अकबर के राज्य से बाहर था एवं संकेत 'B' से 'लाहौर' चिह्नित है।

8. अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक संबंध राजपूतों के जिस गृह से स्थापित किए, वह था–

(a) बुंदेलों से (b) कछवाहों से
(c) राठौरों से (d) सिसोदियों से

U.P. P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

अकबर ने सर्वप्रथम कछवाहा राजपूतों से वैवाहिक संबंध स्थापित किए थे। जिस समय अकबर ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की यात्रा हेतु जा रहा था, तो सांगानेर नामक स्थान पर 1562 ई. में आमेर का राजा बिहारीमल (भारमल) बादशाह की सेवा में उपस्थित हुआ, उसने अकबर की अधीनता स्वीकार की तथा उससे अपनी ज्येष्ठ पुत्री हरखा बाई (लोक प्रचलित नाम- जोधाबाई) का विवाह करने की इच्छा भी व्यक्त की। अकबर ने राजा का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तथा अजमेर से लौटते समय सांभर में उसने राजा बिहारीमल की पुत्री से विवाह किया, यह अकबर का प्रथम राजपूत कन्या से विवाह था।

9. निम्नलिखित में से किस परिवार ने सर्वप्रथम अकबर के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित किया था?

(a) राठौर (b) सिसोदिया
(c) कछवाहा (d) चौहान

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. किस चिश्ती संत के दरगाह पर अकबर दर्शन हेतु अधिक जाता था?

(a) मुइनुद्दीन चिश्ती
(b) शेख नसीमुद्दीन चिराग-देहलवी
(c) कुतुबुद्दीन बाख्तियार काकी
(d) शेख फरीद गंज-ए-शकर

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(a)

अकबर ने सूफी मत में अपनी आस्था जताते हुए चिश्तिया संप्रदाय को समर्थन दिया था। वह ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह पर दर्शन हेतु अक्सर जाता था। इसके अतिरिक्त वह समकालीन सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के दर्शन हेतु अक्सर सीकरी भी जाया करता था।

11. निम्नलिखित में से किसे अकबर ने स्वयं मारा था?

(a) अधम खां को (b) बैरम खां को
(c) बाज बहादुर को (d) पीर मुहम्मद खां को

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

माहम अनगा के पुत्र अधम खां को अकबर ने स्वयं मारा था, क्योंकि उसने अकबर के प्रधानमंत्री अतग खां की हत्या कर दी थी।

12. राजपूताना के निम्न राज्यों में से किस एक ने अकबर की संप्रभुता स्वयं स्वीकार नहीं की थी?

(a) आमेर (अम्बेर) (b) मेवाड़
(c) मारवाड़ (d) बीकानेर

U. P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

मेवाड़ राज्य ने अकबर की संप्रभुता स्वीकार नहीं की थी। वहां के शासक राणा प्रताप ने लंबे समय तक मुगलों से युद्ध लड़ा। राणा प्रताप की मृत्यु के बाद उनके पुत्र राणा अमर सिंह ने 1615 ई. में जहांगीर से संधि की थी।

Scanned with OKEN Scanner

13. **किस राजपूत शासक ने मुगलों के विरुद्ध निरंतर स्वतंत्रता का संघर्ष जारी रखा और समर्पण नहीं किया?**

(a) बीकानेर के राजा रायसिंह

(b) मारवाड़ के राव चंद्रसेन

(c) आमेर के राजा भारमल

(d) मेवाड़ के महाराजा अमर सिंह

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

1565 ई. में मारवाड़ के शासक राव चंद्रसेन ने भाद्राजूण में मुगल सेनाओं का सामना किया, लेकिन चारों तरफ से घिर जाने के कारण उसे सिवाना जाना पड़ा। मुगल सेना ने उसे ढूंढ़ने के लिए अनेक प्रयास किए। इसके उपरांत राव चंद्रसेन ने सोजत पर अधिकार कर लिया। अतः अकबर ने पुनः सेनाएं भेज कर उस पर आक्रमण करवाया, लेकिन वह पहाड़ी क्षेत्रों में चला गया और 1581 ई. में उसकी मृत्यु हो गई। महाराणा प्रताप की भांति ही उसने मुगलों से निरंतर संघर्ष किया तथा समर्पण नहीं किया।

14. **अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती .... की रानी थी।**

(a) मंडला (b) मांडू

(c) असीरगढ़ (d) रामगढ़

M. P. P. C. S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

1564 ई. में अकबर ने कड़ा तथा पूर्वी प्रदेशों के शासक आसफ खां को गढ़कटंगा (गोंडवाना में) के राज्य को जीतने के लिए भेजा। वहां का राजा वीरनारायण अल्पवयस्क था, परंतु उसकी मां दुर्गावती राज्य पर योग्यतापूर्वक शासन करती थी। उसने वीरतापूर्वक शाही दल का विरोध किया, परंतु गढ़ एवं मंडला (वर्तमान मध्य प्रदेश के मंडला जिले में) के बीच हुए युद्ध में वह पराजित हुई।

15. **अबुल फजल की मृत्यु इनमें से किसके कारण हुई?**

(a) शहजादा सलीम (b) अब्दुर रहीम खान-इ-खानां

(c) शहजादा मुराद (d) शहजादा दानियल

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

जब शहजादा सलीम ने विद्रोह कर इलाहाबाद (प्रयागराज) में स्वतंत्र शासक की तरह व्यवहार करना आरंभ कर दिया था, तब अकबर ने 1602 ई. में दक्षिण से अपने मित्र अबुल फजल को बुलाया। उसी समय सलीम के इशारे से ओरछा के बुंदेला सरदार वीरसिंह देव ने मार्ग में अबुल फजल की हत्या कर दी। अतः अबुल फजल की मृत्यु में शहजादा सलीम की भूमिका स्पष्ट थी।

16. **निम्न तथ्यों में से कौन तथ्य ऐसा है, जो अकबर को राष्ट्रीय सम्राट सिद्ध करने में सहायक नहीं है–**

(a) अकबर ने इस्लाम धर्म को त्याग दिया

(b) प्रशासकीय एकता और कानूनों की एकरूपता

(c) अकबर द्वारा सांस्कृतिक एकता का प्रयत्न

(d) अकबर की धार्मिक नीति

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

अकबर पहला मुस्लिम शासक था, जिसने इस बात का अनुभव किया कि मुगल साम्राज्य की सुदृढ़ता के लिए भारत की बहुसंख्यक हिंदू जनता का सहयोग प्राप्त करना नितांत आवश्यक है। उसने हिंदू-मुस्लिम समुदायों को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास किया। अकबर का भारत को राजनीतिक एकता प्रदान करने का प्रयत्न, उसकी समान शासन व्यवस्था, समान अर्थ एवं लगान व्यवस्था, समान कर व्यवस्था, सभी को योग्यता के आधार पर राज्य की सेवाओं में उच्चतम स्थान प्राप्त करने की सुविधा, राजपूतों से विवाह-संबंध और सम्मान की नीति, सभी धर्मों को समान सुविधा और आदर तथा धार्मिक दृष्टि से एकता लाने का प्रयत्न, सभी भाषाओं की प्रगति में सहयोग, विभिन्न ललित कलाओं की प्रगति तथा उनकी कलाविधियों के समन्वय का प्रयत्न, सांस्कृतिक एकता का प्रयत्न आदि सभी ऐसे कार्य थे, जो राष्ट्रीय हित और प्रगति के आधार पर किए गए थे। इस कारण अकबर को राष्ट्रीय सम्राट स्वीकार किया गया। अकबर ने इस्लाम धर्म का त्याग नहीं किया था।

17. **अकबर की लोकप्रियता के कारण थे–**

A. मनसबदारी प्रथा **B. धार्मिक नीति**

C. भू-राजस्व व्यवस्था **D. सामाजिक सुधार**

(a) A, B सही हैं (b) B सही है

(c) C सही है (d) A, B, C, D सही हैं

U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(d)

मुगल शासन व्यवस्था को स्थापित करने का श्रेय अकबर को ही है। उसकी केंद्रीय शासन व्यवस्था तथा बादशाह के पद और अधिकारों एवं कर्तव्यों की व्याख्या, उसका प्रांतीय शासन, उसकी लगान व्यवस्था, उसकी मुद्रा व्यवस्था, उसकी मनसबदारी व्यवस्था आदि सभी को उसके समय में सफलता प्राप्त हुई और वह उसके उत्तराधिकारियों के लिए आधार-स्वरूप बनीं। अकबर प्रथम मुस्लिम शासक था, जिसने हिंदू और मुसलमानों को निकट लाने का प्रयास किया। अपनी उदार नीति के अंतर्गत उसने 1562 ई. में दास प्रथा, 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 ई. में जजिया कर को समाप्त कर दिया। अपने सामाजिक सुधार के अंतर्गत उसने बाल विवाह एवं सती प्रथा को रोकने का प्रयत्न किया। अतः अकबर की लोकप्रियता के कारणों में उपर्युक्त चारों बिंदुओं को सम्मिलित किया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

18. निम्नलिखित में से किस मुस्लिम शासक ने तीर्थयात्रा-कर समाप्त कर दिया था?

(a) बहलोल लोदी (b) शेरशाह

(c) हुमायूं (d) अकबर

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. निम्नलिखित बादशाहों में से किसको एक 'प्रबुद्ध निरंकुश' कहा जा सकता है?

(a) बाबर (b) हुमायूं

(c) अकबर (d) औरंगजेब

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर–(c)

अकबर एक महान शासक था, जिसका साम्राज्य अफगानिस्तान-कश्मीर से लेकर गोदावरी नदी के किनारे तक विस्तृत था। वह एक धर्मनिरपेक्ष शासक था। संपूर्ण सत्ता उसी में निहित थी, अतएव वह प्रशा के फ्रेडरिक महान और इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ I की तरह प्रबुद्ध निरंकुश शासक कहा जाता है, जिसके शासनकाल में कानून की दृष्टि में सभी समान थे।

20. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

1. अम्बेर की राजकुमारी से अकबर का विवाह
2. तुकारोई का युद्ध
3. मालवा पर मुगल आक्रमण
4. उड़ीसा पर कररानी की विजय

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(a) 1,2,3 और 4 (b) 2,1,4 और 3

(c) 2,4,3 और 1 (d) 3,1,4 और 2

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2021

उत्तर–(d)

प्रश्नगत घटनाओं का काल इस प्रकार है–

1. अम्बेर की राजकुमारी का अकबर से विवाह	-	1562 ई.
2. तुकारोई का युद्ध	-	1575 ई.
3. मालवा पर मुगल आक्रमण	-	1561 ई.
4. उड़ीसा पर कररानी की विजय	-	1568 ई.

अतः सही कालक्रम (3,1,4,2) विकल्प (d) में प्राप्त हो रहा है।

21. निम्नलिखित में से किसने यह आज्ञा दी थी कि आदमी को एक ही स्त्री से विवाह करना चाहिए और वह तभी दूसरा विवाह कर सकता है, जब उसकी पहली पत्नी बन्ध्या हो?

(a) अलाउद्दीन खिलजी

(b) शेरशाह

(c) अकबर

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U. P. P. C. S. (Mains) 2002

उत्तर–(c)

अकबर ने कुछ सामाजिक परंपराओं और व्यक्तिगत मान्यताओं पर अंकुश अवश्य लगाया, परंतु उसने यह कार्य सुधार की दृष्टि से किया। उदाहरण के लिए उसने आज्ञा दी कि आदमी को एक ही स्त्री से विवाह करना चाहिए और वह तभी दूसरा विवाह कर सकता है, जब उसकी पहली पत्नी बन्ध्या हो। उसने हिंदू विधवाओं को पुनर्विवाह करने का अधिकार दे दिया तथा स्त्रियों के सती होने पर रोक लगाने का प्रयास किया था।

22. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. अकबर ने लड़कों और लड़कियों के विवाह की आयु निर्धारित करने का प्रयास किया था।
2. अकबर ने लड़कियों को अभिभावकों के दबाव से अलग स्वयं की इच्छा से विवाह करने की स्वतंत्रता दी थी।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 एवं 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

बादशाह अकबर ने लड़कों के लिए कम-से-कम सोलह वर्ष तथा लड़कियों के लिए चौदह वर्ष विवाह की आयु निर्धारित की थी। इसने लड़कियों को अभिभावकों के दबाव से अलग स्वयं की इच्छा से विवाह करने की स्वतंत्रता दी थी। अतः दोनों कथन सही हैं।

23. अकबर का शासन जाना जाता है–

(1) क्षेत्रों को जीतने के लिए

(2) अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए

(3) न्यायिक प्रशासन के लिए

(4) उसकी धार्मिक कट्टरता के लिए

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

Scanned with OKEN Scanner

(a) (1) और (2) (b) (1), (2) और (3)
(c) (2), (3) और (4) (d) उपर्युक्त सभी

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

अकबर अपनी धार्मिक कट्टरता के लिए नहीं, अपितु धार्मिक उदारता एवं धार्मिक सहिष्णुता के लिए जगप्रसिद्ध है। उसके द्वारा प्रतिपादित सुलह-ए-कुल की नीति इसका सबल प्रमाण है। इस प्रकार कथन (4) सही नहीं है, जबकि कथन (1), (2) और (3) सही हैं। अतः अभीष्ट उत्तर विकल्प (b) होगा।

24. अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केंद्रीय प्रशासन तंत्र के अंतर्गत सैनिक विभाग का प्रमुख था–

(a) दीवान (b) मीर बख्शी
(c) मीर समन (d) बख्शी

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केंद्रीय प्रशासन तंत्र के अंतर्गत 'मीर बख्शी' मुख्यतः सैन्य विभाग का प्रमुख था, किंतु उसे प्रधान सेनापति नहीं कहा जा सकता। उसका कार्य सैनिकों के वेतन एवं सैन्य संगठन से संबंधित था। वह मनसबदारों की सूची रखता था तथा उसे बादशाह अकबर के समक्ष प्रस्तुत करता था। सैनिकों की भर्ती, उनके शस्त्रों की व्यवस्था, सैनिकों का निरीक्षण आदि उसके कार्यों के अंतर्गत था।

25. अकबर कालीन सैन्य व्यवस्था आधारित थी–

(a) मनसबदारी (b) जमींदारी
(c) सामंतवादी (d) आइन-ए-दहशाला

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

साम्राज्य के विस्तार एवं शांति-सुव्यवस्था के लिए सुसंगठित सेना का होना अत्यंत आवश्यक था। इस दृष्टि से अकबर ने अपनी सैन्य व्यवस्था की अनेक त्रुटियों में सुधार किया। उसने 1573-74 ई. में घोड़ों को दागने की प्रथा का पुनः प्रचलन किया, जिससे सेनापति अपने घोड़े न बदल सकें अथवा एक घोड़े को दो बार न प्रस्तुत कर सकें। इसके पश्चात 1575 ई. में अकबर ने मनसबदारी व्यवस्था के आधार पर सैनिक संगठित किया। 'मनसब' शब्द का अर्थ श्रेणी या पद है तथा 'मनसबदार' का अर्थ उस अधिकारी से था, जिसे शाही सेना में एक पद या श्रेणी प्राप्त थी। अकबर की मनसबदारी व्यवस्था दशमलव प्रणाली पर आधारित थी।

26. मध्यकालीन भारत में मनसबदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई थी?

(a) राजस्व एकत्रित करने हेतु
(b) सैनिकों की सुगमता से भर्ती हेतु
(c) धार्मिक सद्भाव की स्थापना हेतु
(d) स्वच्छ प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(d)

दिए गए विकल्पों में मनसबदारी प्रथा को लागू करने का उद्देश्य स्वच्छ प्रशासन सुनिश्चित करना था।

27. अकबर द्वारा दीवान का पूर्णरूपेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति था–

(a) आसफ खां (b) मुनीम खां
(c) मुजफ्फर खां तुरबती (d) राजा टोडरमल

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2003

उत्तर–(c)

'दीवान' शब्द फारसी भाषा का है और खलीफा उमर के काल में मुसलमानों ने इसे अपनाया था। वे इसका प्रयोग खजाना विभाग के लिए करते थे। अकबर के शासनकाल में दीवान पद मुजफ्फर खां तुरबती, राजा टोडरमल एवं ख्वाजा शाह मंसूर के पास रहा। अकबर द्वारा 'दीवान' का पूर्णरुपेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति मुजफ्फर खां तुरबती था। 'दीवान' आर्थिक मामलों एवं राजस्व विभाग का सर्वोच्च अधिकारी होता था।

28. अकबर ने जिस मनसबदारी प्रणाली को लागू किया, वह किस देश में प्रचलित प्रणाली से उधार ली गई थी?

(a) अफगानिस्तान (b) तुर्की
(c) मंगोलिया (d) फारस

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

मुगल मनसबदारी प्रणाली मध्य एशिया (मंगोलिया) से ली गई थी। इस प्रकार का सैन्य विभाजन चंगेज खान के नेतृत्व में मंगोल सेना में किया गया था। अकबर द्वारा प्रारंभ मनसबदारी प्रणाली यद्यपि काफी हद तक नवीन थी तथापि यह मूलतः मंगोल सैन्य विभाजन पर आधारित थी।

29. कथन (A) : अकबर के काल में, हर दस घुड़सवार सैनिकों के लिए मनसबदारों को बीस घोड़ों का रख-रखाव करना पड़ता था।

Scanned with OKEN Scanner

कारण (R) : घोड़ों को यात्रा में आराम देना होता था और युद्ध के समय उनको बदलना आवश्यक होता था।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही है, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

I.A.S. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

अकबर के काल में, हर दस घुड़सवार सैनिकों के लिए मनसबदारों को बीस घोड़े रखने होते थे। इसका मूल कारण यह था कि लंबी यात्रा के दौरान घोड़ों को आराम देना आवश्यक था और युद्ध में उन्हें बदलने की आवश्यकता भी पड़ती थी। इस प्रकार कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।

30. जाब्ती प्रणाली किसकी उपज थी?

(a) गयासुद्दीन तुगलक (b) सिकंदर लोदी

(c) शेरशाह (d) अकबर

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

अकबरं के शासनकाल में भू-राजस्व वसूली के लिए जाब्ती प्रणाली का प्रचलन हुआ, जो भूमि सर्वेक्षण, भू-राजस्व निर्धारण के लिए दस्तूर-उल- अमल तथा जाब्ती खसरे पर आधारित थी। साम्राज्य के अधिकतर भू-भाग में यही प्रणाली प्रचलित थी।

31. टोडरमल ने किस क्षेत्र में ख्याति अर्जित की थी?

(a) सैन्य अभियान (b) भू-राजस्व

(c) हास-परिहास (d) चित्रकला

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

टोडरमल ने भू-राजस्व के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की थी। अकबर ने अपने शासन के 24वें वर्ष (1580 ई.) में आइने-दहसाला (टोडरमल बंदोबस्त) नामक नई कर प्रणाली को शुरू करके मुगलकालीन व्यवस्था को स्थायी स्वरूप प्रदान किया। इस प्रणाली का वास्तविक प्रणेता टोडरमल था। इसी कारण इसे 'टोडरमल बंदोबस्त' भी कहते हैं। उस समय टोडरमल वित्त मंत्री था। इस प्रणाली के अंतर्गत अलग-अलग फसलों के पिछले दस वर्ष के उत्पादन और उसी समय के उनके प्रचलित मूल्यों का औसत निकाल कर उस औसत का एक-तिहाई हिस्सा भू-राजस्व के रूप में वसूला जाता था।

32. इनमें से किस कर-व्यवस्था को बंदोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है?

(a) जाब्ती (b) दहसाला

(c) नसक (d) कानकुट

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

अकबर कालीन भू-राजस्व व्यवस्था की दहसाला पद्धति को बंदोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है।

33. टोडरमल संबंधित थे–

(a) कानून से

(b) मालगुजारी सुधारों से

(c) साहित्य से

(d) संगीत से

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(b)

अकबर द्वारा भू-राजस्व व्यवस्था के पुनर्निर्धारण हेतु मुजफ्फर खां तुरबती और राजा टोडरमल को अर्थमंत्री के पद पर नियुक्त किया गया था। राजा टोडरमल ने अलग-अलग फसलों पर नकद के रूप में वसूल की जाने वाली लगान राशि का 1571 से 1580 ई. के मध्य लगभग 10 वर्ष का औसत निकालकर, उस औसत का एक-तिहाई भू-राजस्व के रूप में निश्चित किया था, जिसे 'दहसाला' मालगुजारी व्यवस्था कहा गया। 'आइने दहसाला' व्यवस्था को टोडरमल बंदोबस्त भी कहा जाता था।

34. मुगल सम्राट अकबर से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर चुनिए–

कथन I : 'तानसेन' रामबली पाण्डेय को मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्रदान की गई पदवी थी।

कथन II : अकबर का विवाह राजा मान सिंह की बहन के साथ हुआ था।

कथन III : अबुल फजल 'आइन-ए-अकबरी' के लेखक थे।

कथन IV : राजा टोडरमल अकबर की सेना के प्रधान सेनापति थे।

(a) केवल कथन I एवं II सही हैं।

(b) केवल कथन III एवं IV सही हैं।

(c) केवल कथन III सही है।

(d) केवल कथन IV सही है।

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

तानसेन का मूल नाम राम तनु पाण्डेय था, उन्हें तानसेन नाम (उपाधि) ग्वालियर या रीवा के राजा ने दी थी। अकबर ने तानसेन को मियां की उपाधि दी थी। राजा मान सिंह की बहन मान बाई का विवाह सलीम (जहांगीर) से हुआ था न कि अकबर से। आइन-ए-अकबरी के लेखक अबुल फजल थे। राजा टोडरमल दीवान (वित्त मंत्री) थे, न कि सेनापति। अतः केवल कथन III सत्य है।

35. भू-राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में शेरशाह एवं अकबर के मध्य निम्नलिखित में से कौन नैरन्तर्य की कड़ी थी?

(a) बीरबल (b) टोडरमल

(c) भगवानदास (d) भारमल

U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर—(b)

इतिहास प्रसिद्ध टोडरमल को भू-राजस्व प्रशासन की दृष्टि से विशेष सम्मान प्राप्त है। अकबर के द्वारा ही आइने-दहसाला (टोडरमल बंदोबस्त) की शुरुआत की गई थी। इस प्रणाली के प्रणेता टोडरमल ही थे (ख्वाजा शाह मंसूर तथा मुजफ्फर खां तुरबती से भी इसमें मदद मिली थी)। अतएव इसे टोडरमल बंदोबस्त के नाम से भी जाना जाता है।

36. अकबर काल में भू-राजस्व व्यवस्था की एक प्रसिद्ध नीति ''आइन-ए-दहसाला'' पद्धति किसके द्वारा निर्मित की गई थी?

(a) शाह नवाज खां (b) अब्दुल रहीम खानखाना

(c) टोडरमल (d) मुल्ला दो प्याजा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' किस वर्ष में प्रारंभ किया?

(a) 1570 (b) 1578

(c) 1581 (d) 1582

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

अकबर ने 1582 ई. में 'तौहीद-ए-इलाही' या 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना की। इसके अंतर्गत अकबर ने सभी धर्मों के मूल सिद्धांतों को सम्मिलित कर इसे सर्वमान्य बनाने का प्रयास किया। दीन-ए-इलाही वास्तव में सूफी सर्वेश्वरवाद पर आधारित एक विचार पद्धति थी। इसका प्रधान पुरोहित अबुल फजल था। हिंदुओं में केवल बीरबल ने इसे स्वीकार किया था।

38. 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार किस शासक ने किया था?

(a) बाबर (b) अकबर

(c) औरंगजेब (d) शाहजहां

M.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. दीन-ए-इलाही किसके द्वारा प्रारंभ किया गया था?

(a) बाबर (b) अकबर

(c) जहांगीर (d) शाहजहां

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं / उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Re-Exam) 2020

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. किस इतिहासकार ने 'दीने-इलाही' को एक धर्म कहा?

(a) अबुल फजल (b) अब्दुल कादिर बदायूंनी

(c) निजामुद्दीन (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर—(d)

अकबर द्वारा प्रवर्तित 'दीन-ए-इलाही' कोई धर्म नहीं था, अपितु एक विचार पद्धति थी, जिसके नियम सर्वधर्म समभाव पर आधारित थे। जहांगीर के समकालीन मोहसिन फानी ने अपनी रचना 'दबिस्तान-ए-मजाहिब' में पहली बार दीन-ए-इलाही का एक स्वतंत्र धर्म के रूप में उल्लेख किया था।

41. इबादतखाने का निर्माण किसने करवाया?

(a) औरंगजेब (b) अलाउद्दीन खिलजी

(c) अकबर (d) फिरोज तुगलक

M.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(c)

बादशाह अकबर ने धार्मिक चर्चा एवं विचार-विमर्श के लिए 1575 ई. में फतेहपुर सीकरी में एक इबादतखाना के निर्माण का आदेश दिया। इबादतखाना में बादशाह की अध्यक्षता में सैयद, शेख एवं उलेमा धार्मिक चर्चा किया करते थे। 1578 ई. में अकबर ने सभी धर्मावलंबियों के लिए 'इबादतखाना' का द्वार खोल दिया। अकबर ने समस्त धार्मिक मामलों को अपने हाथों में लेने के लिए 1579 ई. में महजरनामा जारी करवाया, जिसने उसे धर्म के मामलों में सर्वोच्च बना दिया। महजर को स्मिथ और वूल्जले हेग ने अचूक आज्ञा-पत्र (Infallibility Decree) कहा है। महजर जारी करने के बाद अकबर ने 'सुल्तान-ए-आदिल' या 'इमाम-ए-आदिल' की उपाधि धारण की। स्मिथ महोदय ने कहा था ''दीन-ए-इलाही अकबर की मूर्खता का स्मारक है, उसकी बुद्धिमता का नहीं।''

Scanned with OKEN Scanner

42. फतेहपुर सीकरी का इबादतखाना क्या था?
(a) राज परिवार के इस्तेमाल के लिए मस्जिद
(b) अकबर का निजी प्रार्थना कक्ष
(c) वह भवन जिसमें विभिन्न धर्मों के विद्वानों के साथ अकबर चर्चा करता था
(d) वह कमरा जिसमें विभिन्न धर्म वाले कुलीन-जन धार्मिक बातों के विचारार्थ जमा होते थे

I.A.S. (Pre) 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. **निम्नलिखित इमारतों में से कौन-सी इमारत 'शाने फतेहपुर' कही जाती है?**
(a) बुलंद दरवाजा
(b) तुर्की सुल्ताना का महल
(c) जामा मस्जिद
(d) शहजादी अम्बर का महल

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

मुगल बादशाह अकबर द्वारा बसाए गए शहर फतेहपुर सीकरी (City of Victory) को वर्ष 1986 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल किया गया। उत्तर प्रदेश में स्थित फतेहपुर सीकरी 1571 से 1585 ई. तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रही। फतेहपुर सीकरी में मुगल वास्तुकला के स्मारक जैसे- जामा मस्जिद, बुलंद दरवाजा, पंच महल, शेख सलीम चिश्ती का मकबरा आदि शामिल हैं। यहां स्थित जामा मस्जिद को 'शान-ए-फतेहपुर' या 'शान-ए-सीकरी' के नाम से भी जाना जाता है।

44. **कौन-सा स्मारक फतेहपुर सीकरी में नहीं है?**
(a) स्वर्ण महल (b) पंच महल
(c) जोधाबाई का महल (d) अकबरी महल

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(d)

अकबर ने आगरा से लगभग 37 किमी. दूर फतेहपुर सीकरी में एक राजमहल-सह-किले का निर्माण आरंभ करवाया था। एक विशाल कृत्रिम झील से युक्त पहाड़ी पर बने इस किले में गुजरात और बंगाल की शैलियों में निर्मित कई इमारतें शामिल थीं। इनमें जोधाबाई महल, पंच महल, मरियम महल (स्वर्ण महल), दीवाने आम, दीवाने खास, बीरबल कोठी आदि प्रमुख हैं। अकबरी महल आगरा के किले में स्थित है।

45. **दिल्ली में कौन-सा ऐतिहासिक स्मारक भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है?**
(a) कुतुबमीनार (b) लोदी का मकबरा
(c) हुमायूं का मकबरा (d) लाल किला

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

हुमायूं का मकबरा दिल्ली में स्थित है, जो हुमायूं की पत्नी के संरक्षण में निर्मित हुआ तथा मीरक मिर्जा गियास (Mirak Mirza Ghiyas) इसके वास्तुकार थे। यह मकबरा भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है।

46. **सुलह-ए-कुल का सिद्धांत किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया था?**
(a) निजामुद्दीन औलिया
(b) अकबर
(c) जैनुल आबेदीन
(d) शेख नासिरुद्दीन चिराग

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

अकबर की धार्मिक नीति का मूल उद्देश्य 'सार्वभौमिक सहिष्णुता' था, इसे 'सुलह-ए-कुल' की नीति अर्थात सभी के साथ शांतिपूर्ण व्यवहार का सिद्धांत भी कहा जाता था। अकबर ने इस्लामी सिद्धांत के स्थान पर सुलह-ए-कुल की नीति अपनाई। 1582 ई. में उसने सभी धर्मों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए 'तौहीद-ए-इलाही' या 'दीन-ए-इलाही' नामक एक नया पंथ प्रवर्तित किया। अकबर की सुलह-ए-कुल की नीति राजनीतिक उदारता एवं धार्मिक सहनशीलता के साथ-साथ उसके उदारवादी सांस्कृतिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है।

47. **अकबर द्वारा अपनाई गई 'सुलह-ए-कुल' (सार्वभौम शांति तथा भाईचारा) की अवधारणा निम्नांकित में से किस पर आधारित थी?**
(a) राजनीतिक उदारता
(b) धार्मिक सहनशीलता
(c) उदारवादी सांस्कृतिक दृष्टिकोण
(d) उपर्युक्त सभी

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. **किस मुगल बादशाह के विरुद्ध जौनपुर से 'फतवा' जारी हुआ था?**
(a) हुमायूं (b) अकबर

Scanned with OKEN Scanner

(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

U.P.P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर—(b)

1580 ई. में जौनपुर के एक धर्म गुरु या काजी (मुल्ला मुहम्मद यजदी) ने सभी मुस्लिमों को अकबर के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए फतवा जारी किया था।

49. निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

कथन (A) : अकबर ने 1602 ई. में फतेहपुर सीकरी में 'बुलंद दरवाजा' बनवाया।

कारण (R) : यह निर्माण अकबर ने अपने पुत्र जहांगीर के जन्म की खुशी में बनवाया।

उपर्युक्त के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा एक सही उत्तर है?

कूट :

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों (A) और (R) सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P. Lower Sub. (Pre) 1998

उत्तर—(c)

अकबर ने सीकरी का निर्माण 1568-69 ई. में आरंभ करवाया था तथा बाद में गुजरात विजय (1572-73 ई.) के पश्चात इस नगरी को फतेहपुर सीकरी कहा जाने लगा। एक वर्ग के इतिहासकारों का मत है कि गुजरात विजय के उपलक्ष्य में सम्राट अकबर ने सीकरी के बुलंद दरवाजा का निर्माण विजय स्तंभ के रूप में कराया था, जबकि पर्सी ब्राउन ने इसका निर्माण दक्षिण विजय (1601 ई.) के उपलक्ष्य में बताया है।

50. निम्न में से किसका निर्माण अकबर ने करवाया था?

(a) बुलंद दरवाजा

(b) जामा मस्जिद

(c) कुतुबमीनार

(d) ताजमहल

U.P. P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर—(a&b)

प्रश्नगत विकल्पों में मुगल बादशाह अकबर ने 'बुलंद दरवाजा' तथा फतेहपुर सीकरी की जामा मस्जिद का निर्माण कराया था।

51. निम्न में से किस मुगल सम्राट ने शिक्षा संबंधी सुधार किए थे?

(a) जहांगीर (b) शाहजहां

(c) हुमायूं (d) अकबर

M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(d)

मुगल साम्राज्य के अंतर्गत सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास के साथ-साथ शिक्षा संबंधी विषयों पर भी ध्यान दिया गया। शिक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सुधार मुगल शासक अकबर द्वारा किया गया। अकबर के शासनकाल में शिक्षा के कुछ महत्वपूर्ण केंद्र अजमेर, दिल्ली, सियालकोट, मुल्तान, इलाहाबाद (प्रयागराज), मुर्शिदाबाद आदि थे। इनमें छात्रों को मुफ्त शिक्षा दी जाती थी। फारसी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त था। यद्यपि शिक्षा में महत्वपूर्ण सुधार करने वाला मुगल शासक अकबर स्वयं निरक्षर था।

52. अकबर द्वारा बनवाई गई श्रेष्ठतम इमारतें पाई जाती हैं—

(a) आगरा के किले में

(b) लाहौर के किले में

(c) इलाहाबाद के किले में

(d) फतेहपुर सीकरी में

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर—(d)

अकबर द्वारा बनवाई गई श्रेष्ठतम इमारतें फतेहपुर सीकरी में स्थित हैं। यहां स्थित प्रमुख इमारतों में दीवाने-आम, दीवाने-खास, कोषागार, ज्योतिषी की बैठक, पंच महल, खास महल, तुर्की सुल्ताना की कोठी, जोधाबाई का महल, हवा महल, मरियम की कोठी, बीरबल की कोठी आदि हैं। तुर्की सुल्तान का महल इतना सुंदर है कि पर्सी ब्राउन ने उसे 'स्थापत्य कला का मोती' कहा है।

53. अकबर द्वारा बनाई गई कौन-सी इमारत का नक्शा बौद्ध विहार की तरह है?

(a) पंच महल (b) दीवान-ए-खास

(c) जोधाबाई का महल (d) बुलंद दरवाजा

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर—(a)

अकबर ने अपनी नवीन राजधानी फतेहपुर सीकरी में अनेक भवन बनवाए। पंच महल पिरामिड के आकार का पांच मंजिला भवन था और भारतीय बौद्ध विहारों के अनुरूप था। ऊपर की ओर छोटी होने वाली पांच मंजिलों वाला यह आयताकार भवन नालंदा में बने हुए बहुमंजिला बौद्ध विहारों से ली गई प्रेरणा पर आधारित है।

Scanned with OKEN Scanner

54. फतेहपुर सीकरी में बादशाह अकबर ने निर्मित कराया था—

(a) मोती महल (b) पंच महल

(c) रंग महल (d) हीरा महल

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. जहांगीर महल स्थित है—

(a) दिल्ली (b) औरंगाबाद

(c) आगरा (d) लाहौर

M.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर—(c)

आगरा का किला हिंद-इस्लामी शैली का उदाहरण है। यह अकबर द्वारा निर्मित सुप्रसिद्ध किला है। इसका निर्माण अकबर के प्रधान कारीगर कासिम खां की देख-रेख में हुआ था। अबुल फजल के अनुसार, किले के अंदर अकबर ने लाल बलुआ पत्थरों से पांच सौ से अधिक भवनों का निर्माण करवाया था। जहांगीर महल आगरा किले में ही स्थित है। इसका निर्माण अकबर ने अपने पुत्र और उत्तराधिकारी सलीम के रहने के लिए कराया था। इस महल की शैली अधिकतर हिंदू स्थापत्य कला शैली की ओर झुकी है। जहांगीरी महल की प्रेरणा ग्वालियर के मानसिंह महल से ली गई है।

56. अकबर का मकबरा कहां पर स्थित है?

(a) सिकंदरा (b) आगरा

(c) औरंगाबाद (d) फतेहपुर सीकरी

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(a)

अकबर का मकबरा सिकंदरा नामक गांव में स्थित है, जिसे सुल्तान सिकंदर लोदी ने अपने नाम पर बसाया था। अकबर ने इसका नाम 'बहिश्ताबाद' रखा था। इसके निर्माण की योजना अकबर ने बनवाई थी, किंतु जहांगीर ने 1613 ई. में इसे पूर्ण करवाया था। इस मकबरे में पांच मंजिलें हैं। इसकी प्रत्येक ऊपर की मंजिल नीचे की मंजिलों से आकार में छोटी होती गई हैं। इस मकबरे की विशेषता, इसका गुंबद-विहीन होना है।

57. निम्न में से किस किले का निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था?

(a) दिल्ली का लाल किला

(b) आगरा का किला

(c) इलाहाबाद का किला

(d) लाहौर का किला

U.P. P.C.S. (Pre) (Re-Exam) 2015

उत्तर—(a)

दिल्ली के लाल किले का निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था। इसका निर्माण शाहजहां के शासनकाल में कराया गया था। यह लाल बलुआ पत्थर से निर्मित होने के कारण लाल किले के नाम से प्रसिद्ध है। आगरा का किला, इलाहाबाद का किला एवं लाहौर का किला अकबर के शासनकाल में निर्मित हुए थे।

58. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (सम्राट)	सूची-II (मकबरा)
A. बाबर	1. लाहौर
B. अकबर	2. आगरा
C. जहांगीर	3. काबुल
D. शाहजहां	4. सिकंदरा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	3	4

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(c)

सुमेलित क्रम इस प्रकार है—

सूची-I (सम्राट)	सूची-II (मकबरा)
बाबर (1526-30 ई.)	काबुल
अकबर (1556-1605 ई.)	सिकंदरा
जहांगीर (1605-1627 ई.)	लाहौर
शाहजहां (1628-1658 ई.)	आगरा

59. सूची-I (मुगल शासक) को सूची-II (मकबरे का स्थान) से कूट के आधार पर मिलाइए-

सूची-I	सूची-II
1. बाबर	अ. दिल्ली
2. हुमायूं	ब. काबुल
3. अकबर	स. लाहौर
4. जहांगीर	द. सिंकदरा

Scanned with OKEN Scanner

कूट :

(a) 1-अ, 2-ब, 3-स, 4-द

(b) 1-ब, 2-अ, 3-द, 4-स

(c) 1-स, 2-द, 3-अ, 4-ब

(d) 1-द, 2-स, 3-ब, 4-अ

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

विकल्प में दिए गए मुगल शासकों और उनके मकबरों का सही क्रम इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
बाबर	काबुल
हुमायूं	दिल्ली
अकबर	सिकंदरा
जहांगीर	लाहौर

60. अकबर के काल में महाभारत का फारसी अनुवाद जिसके निर्देशन में हुआ, वह है—

(a) उत्बी (b) नाजिरी

(c) अबुल फजल (d) फैजी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर—(d)

अकबर ने अपने राजकवि फैजी की अध्यक्षता में एक अनुवाद विभाग की स्थापना की थी। अकबर के आदेश से महाभारत के विभिन्न भागों का 'रज्मनामा' नाम से फारसी में अनुवाद फैजी के ही निर्देशन में नकीब खां, बदायूंनी, फैजी आदि विभिन्न विद्वानों के सम्मिलित प्रयासों से किया गया। इसके अतिरिक्त बदायूंनी ने 'रामायण' का, फैजी ने 'लीलावती' का तथा अबुल फजल ने 'कालियादमन' का फारसी में अनुवाद किया।

61. निम्नलिखित में से किसने महाभारत का फारसी में अनुवाद किया था?

(a) अब्दुल कादिर बदायूंनी

(b) अबुल फजल

(c) निजामुद्दीन अहमद

(d) शेख मुबारक

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. महाभारत के फारसी अनुवाद का शीर्षक है—

(a) अनवार-ए-सुहेली (b) रज्मनामा

(c) हश्त बहिश्त (d) अयार दानिश

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002

U.P. P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. 16वीं शताब्दी में संपन्न महाभारत का फारसी अनुवाद कहलाता है—

(a) आलमगीरनामा (b) रज्मनामा

(c) हमजानामा (d) बादशाहनामा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. 'रज्मनामा' किस हिंदू ग्रंथ का फारसी अनुवाद है?

(a) रामायण (b) महाभाष्य

(c) महाभारत (d) अष्टाध्यायी

U.P.R.O./A.R.O. (Re. Exam) (Pre) 2016

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. अकबर की इच्छानुसार किसने रामायण का फारसी में अनुवाद किया था?

(a) अबुल फजल

(b) अब्दुल कादिर बदायूंनी

(c) फैजी

(d) अब्दुर रहीम खां-इ-खाना

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. निम्नलिखित में से किसने रामायण का फारसी भाषा में अनुवाद किया था?

(a) मुल्ला शेरी

(b) अबुल फजल

(c) फैजी

(d) अब्दुल कादिर बदायूंनी

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

67. **सम्राट अकबर द्वारा निम्न में से किसको 'जरी कलम' की उपाधि प्रदान की गई थी?**

(a) मुहम्मद हुसैन (b) मुकम्मल खां
(c) अब्दुस्समद (d) मीर सैयद अली

U.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(a)

अकबर के दरबार के प्रसिद्ध ग्रंथकर्ताओं (जिनकी एक सूची 'आइने अकबरी' में मिलती है) में सबसे प्रमुख कश्मीर का 'मुहम्मद हुसैन' था, जिसे अकबर ने 'जरी कलम' की उपाधि प्रदान की थी।

68. **जैन साधु, जो अकबर के दरबार में कुछ वर्ष रहा और जिसे जगद्गुरु की उपाधि से सम्मानित किया गया, वह था–**

(a) हेमचंद्र (b) हरिविजय सूरि
(c) जिनसेन (d) उमास्वाति

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(b)

हरिविजय सूरि ही वह जैन साधु था, जो अकबर के दरबार में कुछ वर्ष तक रहा एवं जिसे 'जगद्गुरु' की उपाधि से सम्मानित किया गया। 1582 ई. में अकबर ने उक्त जैनाचार्य को जैन सिद्धांतों को समझने की इच्छा आहूत किया था। इनसे प्रभावित होकर अकबर ने कुछ दिनों के लिए मांस भक्षण बंद कर दिया था एवं पशु-पक्षियों के वध पर भी रोक लगा दी थी। मुगल दरबार में एक अन्य जैन विद्वान जिन चंद्र सूरी भी रहते थे, जिन्हें 'युग प्रधान' की उपाधि प्रदान की गई थी।

69. **वह प्रसिद्ध जैन आचार्य कौन थे, जिनको अकबर ने बहुत सम्मानित किया था?**

(a) चंद्रप्रभ सूरि (b) हरिविजय सूरि
(c) पुष्पदंत (d) यशोभद्र

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. **मुगल सम्राट अकबर के समय का प्रसिद्ध चित्रकार था–**

(a) अबुल हसन (b) दसवंत
(c) किशन दास (d) उस्ताद मंसूर

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

अकबर कालीन चित्रकारों के नाम अबुल फजल ने अपनी 'आइने अकबरी' में दिए हैं–दसवंत, बसावन, केशव लाल, मुकुंद, मिस्किन, जगन, महेश, खेमकरण, तारा, सांवल, हरिवंश। दसवंत, के काम से अकबर इतना प्रभावित हुआ था कि उसने इसे 'अपने समय का पहला अग्रणी कलाकार' बनने में सहयोग दिया, किंतु बाद में यह महान चित्रकार मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गया और 1584 ई. में इसने आत्महत्या कर ली।

71. **इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ प्रथम का समकालीन भारतीय राजा था–**

(a) अकबर (b) शाहजहां
(c) औरंगजेब (d) बहादुरशाह

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(a)

इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ I का समकालीन भारतीय राजा अकबर था। ध्यातव्य है कि दिसंबर, 1600 में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना के समय इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ I थीं। भारत में उस समय अकबर (1556-1605 ई.) का शासन था। एलिजाबेथ I का शासनकाल 1558-1603 ई. था।

72. **भारत में किसके शासनकाल में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन हुआ?**

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) हुमायूं
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. **जिस मध्यकालीन भारतीय लेखक ने अमेरिका की खोज का उल्लेख किया है, वह है–**

(a) मलिक मोहम्मद जायसी
(b) अमीर खुसरो
(c) रसखान
(d) अबुल फजल

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(d)

मुगल कालीन विद्वान अबुल फजल ने अमेरिका की खोज का उल्लेख किया है।

74. **अकबर के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज व्यक्ति था–**

(a) रॉल्फ फिंच (b) सर थॉमस रो
(c) जॉन हॉकिंस (d) पीटर मुंडी

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

रॉल्फ फिंच फतेहपुर सीकरी और आगरा पहुंचने वाला पहला अंग्रेज व्यापारी था। इसने भारत के विभिन्न भागों में भ्रमण करते हुए अनेक स्थानों का अवलोकन किया तथा 16वीं सदी के भारतीय व्यापारिक तथा नगर केंद्रों के बारे में महत्त्वपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया।

75. अकबर के शासनकाल की निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए—

1. जजिया की समाप्ति

2. इबादतखाना का निर्माण

3. महजर पर हस्ताक्षर

4. दीने इलाही की स्थापना

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 4, 1

(c) 1, 3, 2, 4 (d) 3, 4, 1, 2

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

U.P. P.C.S. (Mains) 2003

उत्तर—(a)

अकबर ने जजिया कर की समाप्ति 1564 ई. में की। उसने फतेहपुर सीकरी में 1575 ई. में इबादतखाने की स्थापना की, जिसका उद्देश्य दार्शनिक एवं धार्मिक विषयों पर वाद-विवाद करना था। अकबर ने समस्त धार्मिक मामलों को अपने हाथों में लेने के लिए 1579 ई. में 'महजरनामा' की घोषणा की। यह महजरनामा अबुल फजल के पिता शेख मुबारक ने तैयार किया था। अकबर ने सभी धर्मों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए 1582 ई. में 'तौहीद-ए-इलाही' (दैवीय एकेश्वरवाद) की स्थापना की।

76. अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया—

(a) 1590 ई. (b) 1575 ई.

(c) 1576 ई. (d) 1572 ई.

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(c)

1572 ई. में सुलेमान करारानी की मृत्यु के बाद उसका पुत्र दाऊद खां गद्दी पर बैठा। दाऊद खां ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर पटना के मुगल किले पर आक्रमण किया। अकबर ने मुनीम खां को दाऊद पर आक्रमण करने तथा बिहार को जीतने का आदेश दिया। मुनीम खां ने दाऊद को युद्ध में पराजित किया तथा 1574 ई. में बिहार पर मुगलों का आधिपत्य हो गया। पराजित होने के बाद दाऊद बंगाल भाग गया, किंतु 12 मार्च, 1576 को टोडरमल, मुजफ्फर खां एवं हुसैन कुली खां ने मिलकर दाऊद को पूर्णतः पराजित किया। इस प्रकार 1576 ई. में बंगाल तथा बिहार को पूर्ण रूप से मुगल साम्राज्य में मिला लिया गया।

Scanned with OKEN Scanner